

**अभ्यास प्रश्न: गांधाराई कला में मध्य एशियाई एवं यूनानी-बैक्ट्रियाई तत्वों को उजागर कीजिए। ( UPSC-2019, 150 शब्द )**

**उत्तर:** गांधार कला का विकास तक्षशिला के आस-पास के क्षेत्रों में हुआ था। गांधार कला यूनानी कला और भारतीय कला के मिश्रण का परिणाम है। सिकंदर के समय से भूमध्यसागरीय क्षेत्रों और भारत के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान होने लगा था। गांधार कला में सांस्कृतिक समन्वय दिखाई देता है।

गांधार कला में कई संस्कृतियों का स्पष्ट प्रभाव दिखता है जिसमें मध्य एशियाई एवं यूनानी बैक्ट्रियाई तत्वों को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिये, जो इस प्रकार हैं—

**Exercise Question: Highlight the Central Asian and Greco-Bactrian elements in Gandhara art. [UPSC 2019 150 words]**

**Answer:** Gandhara art flourished in the regions surrounding Taxila and is a product of the blending of Indo-Greek artistic traditions. Following Alexander's conquests, there was an increase in economic and cultural interactions between the Mediterranean regions and India, resulting in a cultural fusion that is evident in Gandhara art.

Gandhara art exhibits distinct influences from various cultures, including Central Asian and Greek-Bactrian elements.

## यूनानी कला का प्रभाव-

मूर्ति निर्माण के लिए गहरे नीले और काले पत्थर का प्रयोग। शरीर को सौष्ठवयुक्त दिखाना अर्थात् शरीर को यथार्थवादी रूप देना जिसमें माँसपेशियाँ और शरीर को सुडौल बनाना।

गांधार कला में रोमन कला का भी प्रभाव देखा जा सकता है जिसमें मूर्ति की सजावट पर विशेष बल दिया गया है अर्थात् भारी मात्रा में सजावट, राजमुकुट, आभूषण आदि।

## गांधार कला में मध्य एशियाई तत्वों का प्रभाव:

गांधार कला के अंतर्गत मूर्ति को जो तिकोनी टोपी पहनायी जाती है, वह मध्य एशियाई तत्व को प्रदर्शित करती है। इसके साथ ही मूर्ति निर्माण में चूने का प्रयोग भी।

The impact of Greek art is notable through the use of dark blue and black stones for crafting idols and the emphasis on realistically depicting the human body, with attention given to muscular details and body proportions.

The influence of Roman art can also be seen in Gandhara art, particularly in the lavish decoration of idols, such as intricate crowns and ornamental adornments.

## Gandhara art reflects the influence of Central Asian elements:-

For instance, the triangular cap worn by the idols are indicative of Central Asian styles. Additionally, the use of lime for idol-making is another characteristic feature.

गांधार कला में भारतीय कला का भी प्रभाव दिखता है जिसमें मूर्ति के मुख पर अध्यात्म लाने का प्रयास किया गया है।

इस प्रकार उपर्युक्त विवरण से गांधार कला में मध्य एशियाई एवं यूनानी-बैक्ट्रियाई तत्वों की विशेषता स्पष्ट हो जाती है। गांधार कला के अंतर्गत भारत में बुद्ध की मूर्तियाँ अधिक बनायी गयीं।

#### ❑ मथुरा एवं गांधार कला शैली में अन्तर के बिन्दु

1. गांधार कला का मौलिक क्षेत्र उत्तर-पश्चिम में तक्षशिला एवं आस पास का क्षेत्र रहा था, जबकि मथुरा कला का क्षेत्र मथुरा, आगरा और आस-पास का क्षेत्र रहा था।

Lastly, Gandhara art displays the influence of Indian art, as seen in the attempts to capture spirituality on the faces of the idols.

In summary, the distinct characteristics of Central Asian and Greco-Bactrian elements in Gandhara art are evident from the above description. Furthermore, it is worth noting that a significant number of Buddha statues were made in India under the Gandhara art.

#### ❑ Difference between Mathura and Gandhara styles –

1. Gandhara art originated in Taxila and the surrounding north-west region, while Mathura art flourished in Mathura, Agra, and the neighboring areas.



2. मथुरा कला ब्राह्मण, बौद्ध और जैन सभी पंथों से सम्बद्ध थी, तो गांधार कला मुख्यतः उत्तर-पश्चिम में बौद्ध पंथ से सम्बद्ध रही थी।
3. गांधार कला में कच्चे माल अथवा सामग्री के रूप में गहरे नीले पत्थर अथवा काले पत्थर का प्रयोग होता था, तो मथुरा कला में लाल पत्थर का।
4. गांधार कला का दृष्टिकोण यथार्थवादी था, तो मथुरा कला का आदर्शवादी। दूसरे शब्दों में, गांधार कला में मूर्ति के शरीर की बनावट, कपड़ों की सिलवटें आदि का बड़ा ही यथार्थवादी चित्रण किया गया है, जबकि मथुरा कला में शरीर की बनावट को महत्व नहीं दिया गया, कपड़े भी पारदर्शी एवं शरीर से चिपके हुए दिखाए जाते हैं। इसमें केवल मूर्ति के मुख पर आध्यात्मिकता दर्शाने पर विशेष बल दिया जाता है। मूर्तियाँ प्रायः विचारमग्न दिखती हैं।

2. Mathura art was associated with multiple sects including Brahmin, Buddhist, and Jain, whereas Gandhara art was predominantly connected to the Buddhism in the north-west.
3. Gandhara art employed dark blue or black stone as its primary material, while Mathura art utilized red stone.
4. Gandhara art leaned towards realism, highlighting intricate details such as the texture of the idol physical appearance and folds of clothing. In contrast, Mathura art leaned towards idealism. The focus was not on depicting body texture but rather on portraying transparent and closely-fitted garments. The emphasis in Mathura art was on showcasing spirituality primarily through the expressions on the face of the idols, often depicting them deeply involved in contemplation.